

डॉ. डोनाल्ड फाउलर, ओल्ड टेस्टामेंट बैकग्राउंड्स, व्याख्यान 14, सी पीपल्स

© 2024 डॉन फाउलर और टेड हिल्डेब्रांट

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 14 है, सी पीपल्स।

खैर, हम एक नया टेप शुरू करने के लिए तैयार हैं, और जैसे ही हमने ऐसा किया, मैं आपको यह बताकर नया टेप पेश करना चाहता था कि, सबसे पहले, जो मैं दिखा सकता हूँ उससे कहीं अधिक, बहुत बेहतर दृश्य सामग्री मेरे पास है आप।

हमारे कंप्यूटर में थोड़ी सी समस्या आ गई थी, जिसमें तकनीशियनों ने मेरे शिक्षण के लिए महत्वपूर्ण कई चीजें मिटा दीं, जिन्हें मैं आपको नहीं दिखा सकता। और इसलिए, मैंने आपको यह पहले दिन से नहीं दिखाया क्योंकि मुझे अभी यह मिला है, लेकिन मैंने सोचा कि सी पीपल्स आंदोलन शुरू करने से पहले मैं आपको खाद्य पदार्थ दिखाऊंगा। ये उन वस्तुओं की तस्वीरें हैं जो उनकी दुनिया का इतना महत्वपूर्ण हिस्सा थीं और जौ वास्तव में राजा था क्योंकि यह बहुत कठोर था, लेकिन साथ ही, उन्होंने गेहूं भी उगाया।

आप अंगूर देख सकते हैं। बाईं ओर, हमारे पास कभी-कभी भोजन का एक स्रोत, अनार है। इसके बाद, हमारे पास ऐसे खाद्य स्रोत हैं जो उनके आहार के लिए पूरी तरह से प्रमुख हैं: अंजीर, खजूर और जैतून।

बेशक, उन्होंने विभिन्न प्रकार की सब्जियाँ खाईं, लेकिन वे पूरी तरह से मौसमी थीं, और अधिकांश भाग के लिए, वे उन्हें संग्रहीत कर सकते थे। यहां नीचे दाएं कोने में, आप देखेंगे कि यह गूलर अंजीर के बारे में कहां बात करता है। गूलर अंजीर वास्तव में गंभीर परिस्थितियों को छोड़कर मनुष्यों द्वारा नहीं खाया जाता था। उनका उपयोग जानवरों के भोजन के रूप में किया जाता था, और इसलिए यह कम से कम उनके लिए उपलब्ध आहार की एक छोटी सी तस्वीर थी।

और इसलिए, इसके साथ, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय क्षेत्र शुरू करने के लिए तैयार हूँ जिसमें मेरे लगभग सभी दृश्य खो गए हैं, कम से कम वर्तमान के लिए, और मैं आपको अधिक सार्थक चीजें नहीं दिखा पाने से निराश हूँ। यह एक साहसिक बयान है। निर्गमन को छोड़कर किसी अन्य घटना का इजरायली राजशाही पर सी पीपल्स मूवमेंट जैसा प्रभाव नहीं पड़ा।

खैर, मैं इस कथन को और भी साहसपूर्वक कह सकता हूँ और कह सकता हूँ कि दुनिया के इस हिस्से के मानव इतिहास में शायद ही कोई ऐसी घटना हुई हो जो सी पीपल्स मूवमेंट कहलाने वाली घटना से अधिक महत्वपूर्ण हो। यह कोई शब्द नहीं है, सी पीपल्स मूवमेंट, जिसका उपयोग बाइबिल में किया गया है। मुझे लगता है कि हम इसे सभी चीजों में से मिस्रवासियों से प्राप्त करते हैं।

और इसलिए, यह सी पीपल्स मूवमेंट बाइबिल की दुनिया के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण था। आज तक, इस बात पर वास्तविक भ्रम है कि दुनिया के इतिहास में लोगों के सबसे बड़े स्थानांतरण की व्याख्या कैसे की जाए। और मुझे लगता है कि मैं आपसे जो कह सकता हूँ वह यह है कि 50 वर्षों तक बाइबल का छात्र रहने के बाद, पुरातत्व ने हमारी दुनिया पर अधिक से अधिक प्रकाश डाला है, जिससे, आप जानते हैं, हमारे पास चीजों को बेहतर ढंग से समझने का एक अच्छा मौका है। जितना हमने 50 साल पहले किया था।

विडम्बना और दिलचस्प बात यह है कि सी पीपल्स मूवमेंट में, हम सटीक रूप से यह समझाने में बहुत आगे नहीं बढ़ पाए हैं कि यह कैसे काम करता है। तो, जो मैं आपको बताऊंगा वह परिवर्तनशील है। कहने का तात्पर्य यह है कि आज लोग विरोधाभासी बातें कह रहे हैं। मैंने अभी कुछ समय पहले ही इस पर कुछ पढ़ा था।

इसलिए, मैंने जिस घटना का उल्लेख किया है, वह यह है कि लोगों के इस विशाल स्थानांतरण के कारणों को सटीक रूप से समझाना एक चुनौती है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि संपूर्ण पूर्वी भूमध्य सागर का अधिकांश भाग - और जो मैं पढ़ रहा हूँ उसके आलोक में शायद मुझे उस कथन को बदलना चाहिए - पारगमन में था, न केवल पूर्वी बल्कि स्पष्ट रूप से मध्य भूमध्य सागर तक पश्चिम तक। घाटी। तो यहाँ परिदृश्य है।

लगभग एक सदी से, हमारे पास अनगिनत संख्या में लोग हैं, जो अपने पैतृक निवास स्थान से भूमध्यसागरीय दुनिया के अन्य स्थानों पर चले गए हैं, और स्वाभाविक रूप से, हम जानना चाहेंगे कि वे ऐसा क्यों कर रहे थे। वे कहां से आए थे? वे कहाँ जा रहे थे? उस आंदोलन का क्या असर हुआ? जितने स्पष्ट उत्तर हैं, उससे कहीं अधिक प्रश्न हैं। वास्तव में, प्रवासन जिसे सी पीपल्स मूवमेंट कहा जाता है, लगभग 1250 से 1150 तक लगभग एक शताब्दी तक चला, इसमें एक या दो दशक लगे। हमारे साथ जो हो रहा है वह यह है कि माइसीने के पुराने शक्ति केंद्र ध्वस्त हो गए थे, मिनोआ, और अनातोलियन जागीरदार राज्य, जो वस्तुतः संपूर्ण प्राचीन विश्व के पतन की ओर अग्रसर प्रतीत होते थे।

इसलिए, मैं आपको एक नया विश्व मानचित्र दिखाने का प्रयास करूंगा जिसमें मैं आपको इन स्थानों के बारे में बता सकूँ। माइसीने एक महान सभ्यता थी जिसने उस क्षेत्र के अधिकांश भाग पर शासन किया जिसे हम ग्रीस कहते हैं, और इसका कुछ संबंध है, यह बिल्कुल स्पष्ट नहीं है, लेकिन इसका महान टोजन युद्ध से कुछ संबंध है। और सी पीपल्स मूवमेंट से पहले, माइसेनियन भूमध्य सागर के पूर्वी हिस्से में व्यापार के एक महत्वपूर्ण हिस्से को नियंत्रित करते थे।

मिनोअन्स ने क्रेते पर शासन किया और उनकी एक महत्वपूर्ण सभ्यता थी जो पूर्वी भूमध्य सागर में व्यापार में शामिल थी। यह भी एक ऐसा क्षेत्र था जहां राजनीतिक इकाई का पतन हो गया। तब जिसे हम तुर्की कहते हैं, उसके पश्चिमी तट पर अनातोलियन जागीरदार राज्य थे।

तो, हम जो सुझाव दे रहे हैं वह यह है कि प्राचीन विश्व की शक्ति संरचनाओं का एक बड़ा हिस्सा ध्वस्त हो गया, और इसके कारण प्राचीन विश्व के संपूर्ण मानचित्र को पुनर्व्यवस्थित किया गया। मुझे यकीन नहीं है कि मैं इसे कैसे कहूँ सिवाय इसके कि यह प्राचीन इतिहास की सबसे महान

घटना है जिसके बारे में मैं जानता हूँ। और इसलिए, अगर यह समझाना मुश्किल है, अगर असंभव नहीं है कि यह क्या था, तो यह समझाना और भी कठिन है कि ऐसा क्यों हुआ इत्यादि।

विभिन्न प्रतिभागियों की पहचान को सुलझाने के कई रहस्य अनातोलिया के इतिहास में बंद हैं। और आपको याद होगा, मैं इस शब्द का उपयोग करता रहा हूँ और मैंने आपको कभी इसकी व्याख्या नहीं की। अनातोलिया इस क्षेत्र का एक नाम है जिसे हम तुर्की कहते हैं।

यह उस क्षेत्र के निवासियों से नहीं आता है जो आपको याद होगा कि वे हटियन या हिती थे। यह यूनानियों से आता है। और इसका मतलब सूर्योदय है।

और इसलिए, यूनानियों के लिए, ग्रीस के पूर्व का क्षेत्र सूर्योदय की भूमि थी। और इसलिए यह शब्द यहीं से आया है, अनातोलिया। अतः अनातोलिया किसी राष्ट्र का नाम नहीं है।

यह वास्तव में किसी क्षेत्र का नाम नहीं है। यह ग्रीस के पूर्व के उस क्षेत्र का नाम है जहाँ से सूर्य का उदय हुआ था। लेकिन यह वह नाम है जिसे हम अब उपयोग करते हैं क्योंकि जिसे हम अनातोलिया कहते हैं उसमें राजनीतिक संस्थाएं बदलती रहती हैं।

कि दक्षिण में अशूरियों और उत्तर में कश्खा द्वारा पहले से ही कमजोर हिती साम्राज्य पर भारी दबाव ने महान शाही हिती साम्राज्य को बहुत कमजोर कर दिया है। केंद्रीय सत्ता के कमजोर होने के साथ, आंतरिक और बाहरी ताकतों के दबाव में जागीरदार राज्य ध्वस्त हो गए प्रतीत होते हैं। तो, इनमें से एक... ठीक है, हम जो कह सकते हैं वह यह है कि जब सी पीपल्स मूवमेंट समाप्त हो गया, तो इसके परिणामस्वरूप सभी महान शक्तियां या तो चली गईं या फिर वे जल्द ही चली गईं।

और यहां तक कि मिस्र, भले ही इसके तत्काल प्रभाव से बच गया, सी पीपल्स मूवमेंट के बाद मिस्र कभी भी पहले जैसा नहीं रहा। इसलिए, इसने मानचित्र को इस तरह बदल दिया जैसा मानव इतिहास में मुझे ज्ञात किसी अन्य घटना में नहीं मिला। अतः हिती साम्राज्य नष्ट नहीं हुआ।

मुझे लगता है कि हम जो कहना चाहते हैं वह यह है कि वह आधुनिक क्षेत्र जिसे हम तुर्की कहते हैं, नष्ट हो गया है; यह अपने आप ढह गया। शक्तिशाली होने के लिए, हितियों को एजियन सागर के किनारे उन पश्चिमी जागीरदार राज्यों को नियंत्रित करने की आवश्यकता थी। और जब उन्होंने उन्हें खो दिया, तो धीरे-धीरे, अपेक्षाकृत कम समय के भीतर, मुझे लगता है कि मुझे कहना चाहिए, तब हिती साम्राज्य की शक्ति आंतरिक रूप से कम हो गई।

जब वह साम्राज्य गिरा, तो मोटे तौर पर उसके साथ-साथ माइसेनियन साम्राज्य का भी पतन हुआ, जो क्रेते द्वीप या मिनोअंस की महान राजनीतिक इकाई थी, जैसा कि हम कहते हैं। और इसलिए जब धुआं शांत हो जाता है, तो मिस्र को छोड़कर सभी महान शक्तियां समाप्त हो जाती हैं, जो निश्चित रूप से सीमित है।

मिस्र के स्रोतों से, हम कुछ जनजातियों या लोगों के नाम जानते हैं जो लोगों के इस शानदार आंदोलन में शामिल थे। इसलिए, यदि हम 1250 से 1150 के वर्षों में हैं, तो आप अपने कालक्रम

में याद रख सकते हैं कि हम न्यायाधीशों की पुस्तक के ठीक बीच में होंगे। यह राजतंत्र के ठीक पहले, न्यायाधीशों के बीच में है।

तो, इसमें शामिल तत्वों में से एक था शारदना। इसका घर सुदूर उत्तरी सीरिया में रहा होगा। जाहिर तौर पर विस्थापित होकर, वे समुद्र के रास्ते साइप्रस चले गए।

रामसेस III शिलालेखों में कुछ तत्व दिखाई देते हैं, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकांश पश्चिम की ओर चले गए हैं। अब, आपको यह दिखाने के लिए कि पृथ्वी पर हम अपनी उलझन में कहां हैं, हम सी पीपल्स मूवमेंट के बारे में निश्चित नहीं हैं, इसलिए वहां सार्डिनिया होगा; हम सी पीपल्स मूवमेंट के बारे में निश्चित नहीं हैं कि क्या शारदना इस क्षेत्र से यहाँ आया था या उस क्षेत्र में वापस चला गया था। मिस्रवासी हमें बताते हैं कि वे सी पीपल्स मूवमेंट का हिस्सा थे, लेकिन हमें लगता है कि सार्डिनिया और शार्डिना के बीच एक संबंध है।

लेकिन चाहे वे सार्डिनिया से आए हों या वे वापस चले गए हों, हमारी जानकारी बस इतनी ही कमजोर है। सी पीपल्स मूवमेंट में उल्लिखित दूसरी जनजाति शेकेलेश है। उनकी मूल मातृभूमि अज्ञात है, हालाँकि ऐसा प्रतीत होता है कि वे सिसिली के साइकल्स से जुड़े हुए थे।

मेरनेष्टा की समयावधि के दौरान प्रारंभिक लीबियाई आक्रमण से सबसे अच्छे रूप से जुड़े हुए हैं। तो, हमारे पास सी पीपल्स मूवमेंट की दो महान लहरें थीं। पहले वाला लगभग 1220 का है, और दूसरा लगभग 1190 का है।

लेकिन हम जो जानते हैं, जैसा कि हम अपने मानचित्र को देखते हैं, वह यह है कि वे उस स्थान से जुड़े हुए हैं जिसे हम सिसिली द्वीप कहते हैं। अब, अंग्रेजी में, मैं आपको याद दिला सकता हूँ कि C, वर्णमाला का अक्षर C, का उच्चारण S की तरह या K की तरह किया जा सकता है, जैसे कि बिल्ली में। प्राचीन काल में भाषा के बारे में हम जो जानते हैं वह यह है कि C ध्वनि हमेशा K होती थी। इसलिए, जबकि हम सिसिली कहने के आदी हैं, यह वास्तव में सिसिली था।

यह जनजाति या कबीले जो इस क्षेत्र से आए थे, वे या तो इस क्षेत्र से आए और पूर्व की ओर चले गए, या फिर, कहीं और से आकर, अपने पूर्वी कार्यों से चले गए और वापस लौट आए या सिसिली द्वीप की ओर रुख कर लिया। तो, जैसा कि आप देख सकते हैं, आप शेकेलेश शब्द में सिसिली शब्द देख सकते हैं। टेरेश या तुर्शा स्पष्ट रूप से पश्चिमी अनातोलिया से आए थे।

उनका उल्लेख रामसेस III के शिलालेख में किया गया है लेकिन वे कोई बड़ी ताकत नहीं हैं। वे ऊपरी इटली में इट्रस्केंस से जुड़े हो सकते हैं। यहां हम टर्शा के बारे में जानते हैं।

ऊपरी इटली में, रोमन साम्राज्य होने से पहले, इट्रस्का या टेरशा नामक एक महत्वपूर्ण राजनीतिक इकाई थी। तो, हम जो प्रश्न पूछते हैं वह यह है कि जब लोगों का यह समूह पूर्व की ओर हमला कर रहा था, तो क्या वे तेर्शा से आए थे या वे तेर्शा गए थे? खैर, ये ऐसी चीजें नहीं हैं जिनका जवाब देने के लिए सबूत अभी पर्याप्त स्पष्ट हैं। लुका, संभवतः पश्चिमी अनातोलिया से थे, उनका उपयोग भाड़े के सैनिकों के रूप में किया जाता था और उनकी ख्याति भयंकर समुद्री लुटेरों के रूप में थी।

उनकी पहचान दक्षिण-पश्चिमी अनातोलिया में लुकिया से की जानी है। वे मेरनेष्टा के शासनकाल के बाद प्रकट नहीं हुए। तो, लुका, यह यहां दाईं ओर स्क्रीन से बाहर है, लेकिन वे या तो दक्षिण-पश्चिमी अनातोलिया से आए थे या वे वहां लौट आए थे या दोनों।

हमारे लिए अपनी जानकारी के साथ कहना बहुत मुश्किल है। इस प्रारंभिक शिलालेख में जिन जनजातियों का उल्लेख किया गया है उनमें से अंतिम जनजाति एकवेश है। सवाल यह उठता है कि क्या उन्हें हिती पाठ के अचैओई से जोड़ा जाना चाहिए या ग्रीस में अचेन्स के साथ।

एकवेश शब्द को देखते हैं, तो ऐसा बिल्कुल नहीं लगता कि यह यहां आचेन से संबंधित है, लेकिन व्युत्पत्ति के अनुसार यह संभव है कि एकवेश और अचिया एक ही शब्द हैं। और यदि वे एक ही शब्द और एक ही लोग हैं, तो एकवेश यहाँ से आए होंगे जिसे हम ग्रीस कहते हैं, और जिसे हम अचिया कहते हैं। अचिया एजियन कहने का एक और तरीका है।

आप देखते हैं, इनमें से कुछ वर्णमाला ध्वनियों के आधुनिक बहुभिन्नरूपी उच्चारण में, अंग्रेजी वर्णमाला में G या तो J हो सकता है, जो कि, आप जानते हैं, डेंटल है, या यह G हो सकता है, जो कण्ठस्थ है। प्राचीन काल में, जी स्पष्ट रूप से कण्ठस्थ था। और इसलिए एकवेश और अचिया एक ही चीज़ हैं, या एक ही चीज़ हो सकते हैं।

तो, हमारे पास राजनीतिक पहचान के बारे में कुछ दिलचस्प संभावनाएं हैं, और फिर भी हम निश्चित रूप से कुछ भी नहीं कह सकते हैं। तो, ये जनजातियाँ जिन्हें मैंने आपके लिए सूचीबद्ध किया है, वे जनजातियाँ हैं जिनका उल्लेख मिस्र के राजा मेरनेष्टाह के इतिहास में किया गया है, जिन्होंने सी पीपल्स मूवमेंट को हराया था, या कम से कम वह कहते हैं कि उन्होंने उन्हें हराया था। प्राचीन काल में राजा, यदि आप उन्हें ध्यान से पढ़ें, तो मुझे पूरे प्राचीन इतिहास में एक भी ऐसा मामला नहीं पता है जहाँ कोई राजा कभी कोई लड़ाई या युद्ध हारा हो।

कोई बात नहीं, भले ही वे मारे गए, उन्होंने लड़ाई जीत ली। तो, जाहिर तौर पर मेरी जीभ मेरे गाल के किनारे में फंस गई है। उनका दावा है कि उन्होंने उन्हें हरा दिया।

मिस्रवासी कुख्यात झूठ बोलते थे, इसलिए हो भी सकता है और नहीं भी। लेकिन यह सूची 1220 में है। दशकों बाद, रामसेस III के समय में, हमारे पास लोगों का एक और समूह है, और उन्हें बताया गया है, उन्होंने डेनुना का उल्लेख किया है।

दनुना की मातृभूमि अज्ञात है। शायद वे उत्तरी सीरिया से आये थे। कुछ लोगों ने उन्हें बाइबिल की प्रसिद्धि वाले दानियों से जोड़ने की कोशिश की है, हालांकि यह बेहद संभावना नहीं है।

और हमें शायद बस यही कहना होगा कि भले ही रामसेस III ने डेनुना का उल्लेख किया है, हम नहीं जानते कि वे कौन थे, वे कहाँ से आए थे, या वे कहाँ गए थे। संक्षेप में, हम उनके बारे में कुछ नहीं जानते। जेकर, शायद, साइप्रस के रास्ते ट्रोंड से आया था।

वे मिस्र के द्वारपालों को पराजित करने के बाद फ़िलिस्तीन में दोर नामक स्थान पर बस गये। तो, मैं कम से कम आपको यह तो दिखा सकता हूँ। तो, डोर, द ट्रोंड, यही वह क्षेत्र है।

प्रसिद्ध, आंशिक रूप से ऐतिहासिक, आंशिक रूप से पौराणिक कथा, ट्रॉय की हेलेन पर प्रसिद्ध युद्ध। खैर, ट्रॉय का नाम ट्रोंड के कारण रखा गया है, और यह उत्तर पश्चिम अनातोलिया में यह क्षेत्र है। और इसलिए हम सोचते हैं कि जेकर यहीं से आया है।

हम जो जानते हैं वह यह है कि वे यहां फ़िलिस्तीन में, तट के ठीक किनारे बसे हुए थे। जब रामसेस तृतीय ने उन्हें हराया, तो उसने उन्हें फ़िलिस्तीन के तट के ठीक पास, गाजा और जोप्पा के इस क्षेत्र के करीब बसाया। वेशेश, एक अन्य समूह जिसके बारे में वह बात करते हैं, एक ऐसा समूह है जिसके बारे में हम कुछ भी नहीं जानते हैं।

मुझे लगता है कि शायद मैं कुछ फ्रायडियन शैली में अपनी हताशा प्रकट कर रहा हूँ। मैंने कहा बिल्कुल अनजान। खैर, अगर यह अज्ञात है, तो यह अज्ञात है।

आपको शायद ही इसे पूरी तरह से कॉल करने की ज़रूरत नहीं है, लेकिन हम वेशेश के बारे में कुछ नहीं जानते हैं। अब पैलिसेड्स, वे शायद सबसे दिलचस्प हैं क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने फिलिस्तीन को अपना नाम दिया है। मैं अनुमान लगा रहा हूँ कि दर्शकों में से हर किसी ने फिलिस्तीन के बारे में सुना है।

ठीक है, यदि आप व्यंजनों को ध्यान से देखें, तो फ़िलिस्तीन के व्यंजन पलिसडे शब्द के व्यंजन के समान हैं। तो रामसेस के समय के दौरान सी पीपल्स मूवमेंट में जनजातियों में से एक, जो मेरनेष्टा के कई दशकों बाद था, जनजातीय समूहों में से एक पलिसडे था, और वे लोग हैं जिन्होंने अंततः इस भूमि को अपना नाम दिया जिसे फिलिस्तीन कहा जाता है। बाइबल से हम उन्हें फ़िलिस्तीन के नाम से जानते हैं।

फ़िलिस्ती वह है जो तब हुआ जब इब्रियों ने पलिसडे के साथ काम पूरा कर लिया। इसलिये उन्होंने कनान देश को अपना नाम दिया है। बाइबल उनकी मातृभूमि को कैष्टोर के रूप में बताती है, जो कि क्रेते है, लेकिन इसका मतलब केवल यह है कि कैष्टोर दक्षिण की ओर आगे बढ़ने से पहले एक रुकने वाला स्थान था।

तो हमारे पास लोगों का एक बहुत प्रसिद्ध समूह है। हम निश्चित रूप से नहीं जानते कि वे कहाँ आये थे। खैर, इतना तो हम जानते हैं।

हम बिना किसी संदेह के जानते हैं कि पलिश्ती ईजियन थे। कहने का तात्पर्य यह है कि वे भूमध्य सागर की भूमि से आए थे, लेकिन हम नहीं जानते कि कौन सा। लेकिन हम उनके बारे में ये भी जानते हैं।

जब पलिश्ती पराजित हो गए, तो वे तजेकर के साथ इसराइल में कई स्थानों पर बस गए, जो मैं आपको दिखा सकता हूँ। जब वे यहां बस गए तो मिस्रवासियों ने उन्हें हरा दिया और इसी तरह यहां तट के किनारे बसा दिया। इसलिए, उन्हें तट के किनारे फैला दिया गया।

जॉर्डन और गलील घाटियों के संगम पर बेत शीआन में बसाया था। और फिर वे यहीं जॉर्डन में अम्मान में भी बस गये। तो बाइबल में उनके लिए बस एक शब्द है।

यह उन्हें पलिशती कहता है। लेकिन वास्तव में, फ़िलिस्तीन सी पीपल्स मूवमेंट में कई जनजातियों के लिए खड़ा है। खैर, जैसा कि आप बता सकते हैं, यह एक तरह से अराजक है।

यदि आप कभी लिबर्टी परिसर में गए हों जहां मैं हर गर्मियों में पढ़ाता हूं, तो यह सी पीपल्स मूवमेंट की तरह है। शव हर जगह जा रहे हैं, इमारतों को तोड़ा जा रहा है, इमारतों का नवीनीकरण किया जा रहा है, कार्यालयों को स्थानांतरित किया जा रहा है, और लोग यह सोचकर इधर-उधर भटक रहे हैं कि वे कहाँ हैं और नहीं जानते कि वे कहाँ जा रहे हैं। खैर, यह एक तरह से सी पीपल्स मूवमेंट की तस्वीर है।

अराजकता, और हमें यह भी पता नहीं है कि इसका कारण क्या है। किसी चीज़ ने इन लोगों के आंदोलन को बाधित कर दिया। वास्तव में कुछ अभूतपूर्व।

और भले ही हम कभी भी कारणों की पहचान को सकारात्मक रूप से नहीं जान पाते, हम संभवतः कुछ ऐसे स्पष्टीकरण दे सकते हैं जो केवल बेबुनियाद अनुमानों से कहीं अधिक हैं। अब, जब आप नहीं जानते कि चीज़ों का कारण क्या है, तो आप अनुमान लगाते हैं। और इसलिए, हमारे यहां लोगों, भूमध्यसागरीय बेसिन के लोगों की इस अविश्वसनीय आवाजाही का एक कारण अनुमान लगाया गया है, और इसलिए मैं इसे विनाशकारी दृश्य कहता हूं।

दूसरे शब्दों में, इसका तर्क है कि किसी प्रकार की तबाही हुई जिससे लोगों की आवाजाही बंद हो गई। जो लोग इस सिद्धांत को मानते हैं, उन्होंने अटलांटिस के रहस्यमय ढंग से गायब होने को किसी तरह से जोड़ने का प्रयास किया है। खैर, वास्तव में, हम नहीं जानते कि अटलांटिस कभी अस्तित्व में था या नहीं।

लेकिन यह तर्क यह मानता है कि कुछ विशाल प्राकृतिक आपदा घटित हुई जिसने मानव संतुलन को बिगाड़ दिया। और हर कोई पारगमन में था। शायद यह एक बहुत बड़ा भूकंप था।

क्या आप जानते हैं कि भूकंप क्या कर सकते हैं? वे सुनामी पैदा करते हैं। सुनामी बंदरगाह शहरों को नष्ट कर सकती है। खैर, अगर इस समयावधि में सभी बंदरगाह शहर एक विशाल ज्वार की लहर से नष्ट हो गए, तो कौन जानता है? इस दृष्टिकोण के साथ समस्या यह है कि यह आकर्षक लग सकता है यदि हमारे पास इस बात का कोई सुसंगत सबूत हो कि तबाही क्या थी।

ऐसी तबाही का न तो पुरातात्विक और न ही भूवैज्ञानिक प्रमाण है। इसलिए, जबकि यह एक संभावना बनी हुई है, हमें यह स्वीकार करना होगा कि हमारे पास इसके लिए कोई सबूत नहीं है। एक अन्य दृश्य को प्रवासी दृश्य कहा जाता है।

यह विचार यह है कि लोगों के एक नए आंदोलन ने शक्ति संतुलन को बिगाड़ दिया है। प्राचीन इराक पर जॉर्जिस रॉक्स की पेंगुइन पुस्तक में दिया गया विचार इस प्रकार है। यह संभवतः

बाल्कन में विपुल और उग्र जनजातियों, इलिरियनों का आगमन था, जिन्होंने अनातोलिया में ट्रैको-फ्रीजियंस को खदेड़ दिया, जहां उन्होंने हिती साम्राज्य को उखाड़ फेंका और फिर डोरियन, एओलियन और आयोनियन को हेलेनिक प्रायद्वीप में खदेड़ दिया। एजियन द्वीप समूह, और एशिया माइनर के पश्चिमी जिले, जहां उन्होंने माइसेनियन या एजियन साम्राज्य, ट्रोजन युद्ध को नष्ट कर दिया।

ठीक है, यदि आपको वह मिल गया है, तो आपको मेरे बजाय कक्षा को पढ़ाना चाहिए। वह यही प्रस्तावित कर रहा था। यहाँ बाल्कन क्षेत्रों में, लोगों का एक समूह कहीं से आया था।

कई बार ऐसा लगता है कि ये आंदोलन रूसी मैदान से आए हैं। कुछ लोग बाल्कन में चले गये। जब उन्होंने ऐसा किया, तो इससे लोग यहां दक्षिण की ओर चले गए।

यहां जो लोग दक्षिण की ओर चले गए वे लोगों को पूर्व की ओर ले गए। जो लोग पूर्व में थे वे लोगों को पश्चिम और दक्षिण की ओर ले गए। यह एक पिंग-पोंग मैच देखने जैसा है, आगे और पीछे, ऊपर और नीचे, बहुत सारे चक्कर, बहुत सारी उलझनें।

स्कोर क्या है? मुझे याद नहीं आ रहा। प्रवासी दृष्टिकोण के साथ समस्या यह नहीं है कि पलायन नहीं हुआ था, बल्कि यह है कि प्रवास इतने अधिक थे और इतने बेतरतीब और इतने बहु-दिशात्मक थे कि हम पुरातत्व से किसी भी सुसंगत फैशन में इसे दोबारा नहीं बना सकते। मुझे आश्चर्य नहीं होगा कि प्रवासन ने एक भूमिका निभाई, लेकिन हम इसे एक प्रश्नचिह्न के रूप में कहे बिना नहीं छोड़ेंगे।

पुराने नियम के समय के संपूर्ण मानव इतिहास में, प्रवासन होता रहा है। शायद ऐसी कोई सदी नहीं गुज़री जब भूमध्यसागरीय बेसिन या मध्य पूर्व में कहीं किसी प्रकार का अर्ध-महत्वपूर्ण या महत्वपूर्ण प्रवास न हुआ हो। इस प्रवासन के परिणामस्वरूप उस युग की राजनीतिक दुनिया पूरी तरह ध्वस्त क्यों हो गई? यदि यह सब प्रवासन से शुरू हुआ है, तो एक प्रश्न चिह्न यह है कि इस प्रवासन का यह प्रभाव क्यों पड़ा, जबकि इतने सारे अन्य प्रवासों का यह प्रभाव नहीं हुआ? मुझे लगता है कि सबसे अच्छा दृष्टिकोण तीसरा दृष्टिकोण है, जलवायु संबंधी तर्क।

अब, बस एक और व्यंजन जोड़कर, हम अपने पहले दृश्य के साथ यमक लगा सकते हैं। पहला दृश्य प्रलयकारी दृश्य था। खैर, अगर मैं मजाकिया बनने की कोशिश करना चाहता, तो मैं कह सकता था कि पहला दृश्य चरम दृश्य था क्योंकि कुछ विशाल चरमोत्कर्ष पतन का कारण बने।

लेकिन यह दृश्य चरम दृश्य नहीं है। ये है जलवायु का नजारा। मूल रूप से, यह दृष्टिकोण यह तर्क देता है कि प्राचीन निकट पूर्व में जबरदस्त सूखा पड़ा था।

मेरनेष्टा के मामले में दिया गया है, जिन्होंने हितियों के लिए अनाज की एक बड़ी खेप भेजी थी। आम तौर पर, हिती न केवल भोजन के मामले में आत्मनिर्भर थे, बल्कि वे इसे जहाज से भी भेज सकते थे। हम जानते हैं कि उगारिट के प्राचीन बंदरगाह शहर ने सिलिसिया को लगभग 2,000 माप अनाज भेजा था।

तो, भोजन की कमी के कुछ मामूली अभिलेखीय साक्ष्य हैं। लेकिन इसके लिए सबसे महत्वपूर्ण साक्ष्य विभिन्न अन्य माप कारकों से मिलता है। उदाहरण के लिए, तलछट विश्लेषण में बहुत दिलचस्प अध्ययन किए जा रहे हैं जो हमें बताते हैं कि वास्तव में इस क्षेत्र में जबरदस्त सूखा पड़ा था।

मैंने इस पर अब तक तीन या चार अलग-अलग लेख पढ़े हैं। उन्होंने इन नलिकाओं को गलील सागर की तली में डुबा दिया। वे उन्हें सीधे नीचे तक डुबो देते हैं जहां तक वे जा सकते हैं।

और फिर वे ट्यूब को ऊपर खींचते हैं। और फिर वह ट्यूब वास्तव में इस बात का एक आदर्श भंडार है कि चीजें कैसे व्यवस्थित हुईं और तल पर कैसे बनीं। और इसलिए, फिर वे विभिन्न तलछट स्तरों में क्या है, इसे देखकर अविश्वसनीय वैज्ञानिक सटीकता के साथ इसे माप सकते हैं।

और फिर वे हमें पराग और हवा में मौजूद चीजों के बारे में महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं जो हमें बता सकते हैं कि क्या जलवायु परिवर्तन हुआ था। और सभी अध्ययन जो दिखा रहे हैं और पिछले कुछ समय से दिखा रहे हैं, वह यह है कि गलील सागर जैसी चीजों के तल पर तलछट सामग्री के इस विश्लेषण से पता चलता है कि जिस समय अवधि में हम हैं, वहां भारी सूखा पड़ा था। और यह बहस का विषय नहीं है।

इसके लिए बहुत सारे सबूत हैं। यह अधिकतर अद्यतन है। मुझे नहीं लगता कि यहां मेरी ग्रंथ सूची में इसका कुछ भी है।

लेकिन यह सर्वविदित है। अब, जाहिर है, ओह, और एक और क्षेत्र है जहां हम जानते हैं कि वहां जबरदस्त सूखा पड़ा था। आज एक विज्ञान है, पुरातत्व।

इंडियाना जोन्स में पुरातत्व का विचार इतना बेतुका है कि यह सचमुच हास्यास्पद है। पुरातत्ववेत्ता आज, कई बार, वैज्ञानिक होते हैं। और इसलिए पुरातत्व का एक बहुत विशिष्ट रूप है जिसे डेंड्रोक्रोनोलॉजी कहा जाता है।

डेंड्रोक्रोनोलॉजी पुरातत्व है जिसमें विशेषज्ञ पेड़ के छल्लों का विश्लेषण करते हैं। वे पेड़ की वलय वृद्धि या वृद्धि की कमी का अध्ययन करके बता सकते हैं। वे उनका अध्ययन कर सकते हैं और वे बता सकते हैं कि वृक्ष वलय की वृद्धि की चौड़ाई से चीजें कैसी थीं।

दूसरे शब्दों में, यदि प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियाँ होतीं, तो वृक्ष वलय पंजीकृत हो जाता, लेकिन यह बहुत संकीर्ण होता। लेकिन अगर पेड़ों के लिए अच्छी जलवायु होती, तो पेड़ का घेरा तो होता, लेकिन चौड़ा होता। खैर, हिंती क्षेत्र में इन पेड़ों के छल्ले या ब्रिसलकोन पाइंस ने हमें वही जानकारी दी है जो हमने तलछट विश्लेषण से सीखी थी।

एक शताब्दी से भी अधिक समय तक जलवायु परिवर्तन हुआ था। और भयंकर सूखा पड़ा। उस सूखे से यह स्पष्ट प्रतीत होता था कि क्यों महान शक्तियाँ धीरे-धीरे कमजोर हो रही थीं, जब तक कि वे इतनी कमजोर नहीं हो गईं, इतनी धीरे-धीरे, लेकिन निश्चित रूप से इतनी कमजोर हो गईं कि वे खुद को बनाए रखने में असमर्थ हो गईं और बस नष्ट हो गईं।

अब, हम अभी एक ऐसे युग में हैं जहां हम यह कहना चाहते हैं कि जलवायु परिवर्तन मानव-प्रेरित है। और मैं निश्चित रूप से कोई वैज्ञानिक नहीं हूं, मुझ पर विश्वास करें। और मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि इस प्रकार के दावों का मूल्यांकन कैसे किया जाए।

लेकिन हजारों साल पहले के इतिहास से हम जो जानते हैं, वह यह है कि समय-समय पर बहुत अधिक नमी की अवधि होती है और फिर बहुत अधिक शुष्कता की अवधि होती है। और हम सूखे के दौर में हैं। जैसा कि आज हमारे पास है, ऐसे पुरातत्वविद् भी हैं जो इस बारे में काल्पनिक स्पष्टीकरण लेकर आए हैं कि यह सूखा क्यों था।

आम बातों में से एक यह है कि इस समय मानव जनसंख्या में वृद्धि के कारण जलवायु परिवर्तन हुआ। और दो प्रमुख सिद्धांत हैं, और संभवतः ये दोनों साथ-साथ काम करते हैं। एक सिद्धांत यह था कि जैसे-जैसे मानव आबादी बढ़ी, उसने क्षेत्र के बड़े क्षेत्रों में वनों की कटाई की।

और वनों की इतनी बड़ी कटाई जलवायु के सूखने का परिणाम थी। खैर, हम जानते हैं कि वनों की कटाई हो रही थी। यह इज़राइल में घटित हो रहा था, यह लेबनान में घटित हो रहा था, यह अनातोलिया में घटित हो रहा था।

हम जानते हैं कि ऐसा हो रहा था। जैसे-जैसे जनसंख्या आधार में विस्फोट हुआ और मानव समृद्धि बढ़ी, निस्संदेह लोगों के पास लकड़ी होनी चाहिए। हम इससे गर्म करते हैं, इससे खाना पकाते हैं, रोशनी के लिए इसका उपयोग करते हैं।

वनों की कटाई एक सच्चाई थी। क्या इसके कारण जलवायु परिवर्तन हुआ, हम नहीं कह सकते। हम जानते हैं कि एक और तबाही हुई थी।

सहस्राब्दियों तक, लोग अपने प्राथमिक पशु के रूप में चरवाहा करते रहे। वे भेड़ चराते थे। लेकिन अब हम जो जानते हैं वह यह है कि जहां हम हैं, वहीं बकरी ने कई कारणों से अधिक से अधिक लोकप्रियता हासिल की है, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बकरी भेड़ की तुलना में बहुत अधिक मजबूत और अधिक बुद्धिमान है। और इसलिए, यह तर्क दिया गया है कि भेड़ के स्थान पर बकरियों का व्यापक रोजगार इसके मूल में है या इस समस्या के कारकों में से एक है और क्योंकि आप देखते हैं कि बकरी क्या करती है वह घास नहीं काटती है, वह इसे ऊपर खींचता है, जड़ और सब कुछ।

और इसलिए इसका सीमांत भूमि पर भयानक प्रभाव पड़ता है क्योंकि जहां भूमि सीमांत होती है, वहां पौधों के लिए जड़ें जमाना बहुत मुश्किल हो सकता है। लेकिन जब आप इसे उखाड़ देते हैं, तो आपने पौधे को मार दिया है, आपने ज़मीन को मार दिया है। और इसलिए यह भी एक कारक के रूप में तर्क दिया गया है कि यह अविश्वसनीय सूखा क्यों पड़ा।

हम जो कह सकते हैं वह यह है कि सूखा पड़ा था, और इसके निर्विवाद प्रमाण हैं। यह सूखा संभवतः जलवायु परिवर्तन का परिणाम है, लेकिन यह सी पीपल्स मूवमेंट के बारे में एक बहुत ही दिलचस्प कारक बताता है जिसे मैं आपको इस मानचित्र पर दिखा सकता हूं। लोगों की

आवाजाही का एक बड़ा हिस्सा मिस्र की ओर जाने वाले इस भूमि पुल के नीचे या भूमध्य सागर के पार आने वाले जहाजों के फ्लोटिला के माध्यम से था, लेकिन यह भूमि और समुद्र के द्वारा कहावत थी। कहने का तात्पर्य यह है कि सी पीपल्स मूवमेंट का एक बड़ा हिस्सा मिस्र की ओर जा रहा था।

अब, आप जानते हैं, मिस्र की जलवायु शुष्क है। उनमें साल में केवल दो से चार इंच बारिश होती है, इसलिए आपको आश्चर्य होगा कि वे मिस्र जैसी जगह की ओर क्यों जा रहे हैं, जहां पहले से ही अत्यधिक शुष्कता है। और इसका उत्तर यह है कि, मिस्र में, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कभी बारिश होती है। मिस्र की अर्थव्यवस्था और कृषि इकाई बारिश पर निर्भर नहीं है; वे बाढ़ के पानी पर निर्भर हैं।

इसलिए, मिस्र सूखे से अछूता था। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मिस्र में बारिश हुई या नहीं और मिस्र में प्रचुर मात्रा में भोजन था, और यह इस बात के लिए एक प्रशंसनीय स्पष्टीकरण प्रदान करता है कि समुद्री लोग मिस्र जाने के लिए भूमि और समुद्र के रास्ते दक्षिण की ओर क्यों जा रहे थे क्योंकि मिस्रवासियों के पास भोजन था। इसलिए, हमारे पास इस बात का प्रशंसनीय स्पष्टीकरण है कि वे मिस्र क्यों जा रहे थे।

मिस्र में सूखे का खतरा नहीं है। मुझे बस उस बैकअप को कॉल करने दीजिए। जब मैं कहता हूं कि मिस्र में सूखे की संभावना नहीं है, तो मुझे यह कहने दीजिए।

जैसा कि मैंने कहा, मिस्रवासी बारिश पर निर्भर नहीं हैं, लेकिन मिस्रवासियों की फसल बर्बाद हो सकती है। फसल की विफलता बिल्कुल मेसोपोटामिया या सिरा-फिलिस्तीन की तरह फसल की विफलता नहीं है, लेकिन अगर नील नदी में ठीक से बाढ़ नहीं आती है तो फसल की विफलता हो सकती है। यदि कोई बीमारी हो या कोई पशु संक्रमण हो तो उनकी फसल बर्बाद हो सकती है, लेकिन सूखे के कारण उनकी फसल बर्बाद नहीं होती क्योंकि वे बारिश पर निर्भर नहीं होते हैं।

इसलिए, जबकि बारीक विवरणों के निर्णायक उत्तर कभी भी ज्ञात नहीं होंगे, ऐसा प्रतीत होता है कि मूल व्यवधान जो भी हो, आंदोलन ने धीरे-धीरे बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित कर दिया। जैसे-जैसे केंद्रीय सत्ता का आदेश कम होता गया, अराजकता दिन का क्रम बन गई। समुद्री डकैती और सामान्य अराजकता में नाटकीय वृद्धि हुई।

तो, इससे कुछ अभूतपूर्व परिवर्तन हुए जो मुझे लगता है, बाइबिल के दृष्टिकोण से, आश्चर्यजनक हैं। यहां वह जगह है जहां यदि आप इस गूढ़ प्राचीन निकट पूर्वी भूमध्यसागरीय सामग्री के साथ नींद से जाग गए हैं, तो हम आपको बोर्ड पर आने के लिए आमंत्रित कर सकते हैं क्योंकि यह बहुत दिलचस्प है। सी पीपल्स मूवमेंट के परिणाम।

इस आंदोलन के दो बड़े महत्वपूर्ण परिणाम हैं। सबसे पहले, इसने दुनिया की सभी महाशक्तियों को या तो नष्ट कर दिया या स्थायी रूप से कमजोर कर दिया। यदि आपने एक मानचित्र देखा जिसमें स्थानों पर नाम थे, यदि आपने एक मानचित्र देखा जिसमें सी पीपल्स मूवमेंट से पहले स्थानों पर नाम थे, और फिर आप सी पीपल्स मूवमेंट के बाद के मानचित्र को देखेंगे, लगभग, ठीक है, अधिकांश स्थानों के नाम में परिवर्तन किया गया है।

पुराने राज्य खत्म हो गए हैं, और नए राज्य सामने आए हैं। पुराने शहर नष्ट हो गए, नए शहर सामने आए। तो, प्राचीन काल के इतिहास में किसी भी अन्य चीज़ के विपरीत, इसमें मानचित्र को बदलने का अविश्वसनीय प्रभाव था।

दूसरे, क्योंकि इसने नक्शा बदल दिया, इसने इज़राइल की भविष्य की स्थिति को बदल दिया। आप देखिए, सी पीपल्स मूवमेंट से पहले, इज़राइल शक्तिशाली देशों की एक बहुत शक्तिशाली इकाई से घिरा हुआ था। दक्षिण में मिस्र, उत्तर में हिती।

लेकिन अब, वे शक्तियाँ या तो पूरी तरह खत्म हो गई हैं या बहुत कमज़ोर हो गई हैं। और इसलिए, इसका मतलब यह है कि 1150 के बाद, इज़राइल महाशक्तियों से घिरा नहीं है। अब, यह महत्वपूर्ण है, और इसका कारण यहाँ है।

1150 में, हम न्यायाधीशों की पुस्तक के अंत की ओर बढ़ रहे हैं। आपको शायद याद होगा कि न्यायाधीशों में, चीज़ें एक भयावह गड़बड़ी हैं। इसलिए, यदि सी पीपल्स मूवमेंट 1150 में समाप्त हो गया, तो इज़राइल का पहला राजा शाऊल था, जो 1050 में राजा था।

डेविड 1010 में राजा है। सुलैमान 970 में राजा बना। हम संयुक्त राजशाही नामक अवधि में प्रवेश करते हैं।

यह इज़राइल का स्वर्णिम काल है। आधुनिक काल तक दुनिया के इतिहास में यह एकमात्र मौका है जब यह छोटा सा क्षेत्र, जिसे हम इज़राइल कहते हैं, राजनीतिक रूप से शक्तिशाली हो सकता है। और इसलिए, जो हुआ उसके परिणामस्वरूप, महाशक्तियों से घिरे नहीं होने का मतलब है कि डेविड और सुलैमान के पास एक साम्राज्य हो सकता है।

दाऊद और सुलैमान के पास ऐसे राज्य हो सकते हैं जो इज़राइल के सौ मील से भी आगे तक पहुँचते हैं, और वे आसपास के राज्यों को अपने नियंत्रण में ला सकते हैं। यह एक समय अवधि है जिसमें ईश्वर इब्राहीम, डेविड और सुलैमान से किए गए अपने वादों को पूरा कर सकता है। तो, यह इज़राइल की सबसे बड़ी समृद्धि का समय बन गया, लेकिन यह जिस तरह से चीज़ें हैं उसमें बस एक ठहराव है।

क्योंकि जब 930 में सुलैमान की मृत्यु हुई, तो कुछ ही वर्षों में, अशूर जाग गया। तो, हमारे पास यहां एक समय अवधि है जब इज़राइल विनाशकारी स्थिति में है, न्यायाधीशों की अवधि। हमारे पास यहां जो कुछ है वह समृद्धि का समय है, और जो हमारे पास है वह स्वर्ण युग का अंत है।

असीरिया के उदय के साथ, हम इज़राइल की सफल राजनीतिक शक्ति के अंत का सामना कर रहे हैं। इसलिए, बाइबल के पाठकों के रूप में मैं हूँ जो सुझाव दूंगा वह यह है कि ईश्वर इज़राइल को अवसर की एक अनूठी खिड़की दे रहा है। यह एक अवसर है जिसमें आप भगवान के आशीर्वाद का हाथ देख सकते हैं और भगवान को धन्यवाद दे सकते हैं और ईमानदारी से उनकी सेवा कर सकते हैं, या यह एक खिड़की है जब इज़राइल भगवान को अस्वीकार कर

सकता है, जब वह अपनी समृद्धि में व्यस्त हो सकता है, और वास्तव में भगवान को देखने में असफल हो सकता है उन्हें आशीर्वाद दिया है।

यह पूरे इतिहास में समय की एक अनोखी खिड़की है। आधुनिक इज़राइल के उदय तक नहीं, संपूर्ण मानव इतिहास में, आधुनिक इतिहास के उदय तक भी, इज़राइल एक शक्तिशाली राजनीतिक इकाई बनने में सक्षम नहीं हो पाया है। और ऐसा केवल आधुनिक हथियारों के कारण है।

तो यहाँ भगवान के आशीर्वाद की अनूठी खिड़की है, और मुझे यह कहते हुए दुख हो रहा है कि जब आप बाइबिल का पाठ पढ़ते हैं, तो इस्राएली अपने समय के क्षण से चूक जाते हैं। तो, सी पीपल्स मूवमेंट का उपयोग भगवान द्वारा किया गया था, शायद भगवान ने सूखा भेजा था, मुझे कोई अंदाज़ा नहीं है। सी पीपल्स मूवमेंट का उपयोग भगवान द्वारा एक राजनीतिक माहौल बनाने के लिए किया गया था जहां इज़राइल अपनी सबसे बड़ी ऊंचाई तक पहुंच सके।

और इसका मतलब यह है कि जब यह खिड़की बंद हो जाती है, तो इज़राइल एक बहुत लंबी ढलान में प्रवेश कर जाता है, जिससे वह आधुनिक युग तक उबर नहीं पाएगा। तो, इसके साथ, मैं आपका ध्यान हमारे क्लास नोट्स की ओर आकर्षित करना चाहूंगा। पलिशतियों की समस्या।

ठीक है? पलिशतियों की समस्या। आप शायद पूछ रहे होंगे, अच्छा, वे किस अर्थ में समस्याएँ थीं? खैर, वे इस्राएलियों के लिए एक वास्तविक समस्या थे क्योंकि वे बेहतर योद्धा और बेहतर सैन्यवादी थे। लेकिन यह वह समस्या नहीं है जिसका मैं संदर्भ दे रहा हूँ।

पलिशतियों के साथ हमारी समस्या यह है कि उनका उल्लेख उत्पत्ति में किया गया है। जैसा कि आप हमारे नोट्स से देख सकते हैं, उनका उल्लेख उत्पत्ति 21 और 26 में किया गया है, और फिर उनका उल्लेख व्यवस्थाविवरण 2 में भी किया गया है। अब, यहाँ हम क्या जानते हैं। पलिशती फ़िलिस्तीन में नहीं थे; वे लगभग 1150 के बाद तक इज़राइल में नहीं थे।

तो, उत्पत्ति में पलिशती कौन हैं? व्यवस्थाविवरण में पलिशती कौन हैं? फ़िलिस्तीन एक जनजाति है, एक एजियन जनजाति, संभवतः जनजातियों का एक समूह, जो सी पीपल्स मूवमेंट में आए थे। ऐसा कैसे है कि उन्हें उत्पत्ति में मौजूद बताया जा सकता है? यदि इब्राहीम 2100 ईसा पूर्व था, और सी पीपल्स मूवमेंट 1100 ईसा पूर्व था, तो हम इस तरह एक हजार साल कैसे पाट सकते हैं? इसलिए, इसे समझने की कोशिश करने के लिए कुछ कमज़ोर प्रयास किए गए हैं। मैं यह भी नहीं जानता कि कोई इस पद पर है या नहीं, या मैंने इसे अभी-अभी बनाया है, मुझे याद नहीं आ रहा है।

लेकिन यहां मेरा तर्क, सबसे पहले, यह है कि शायद पलिशतियों ने इस भूमि पर जाने से पहले उसका नाम अपना लिया था। दूसरे शब्दों में, शायद इज़राइल को पीएलएस्टी, पेलेसेट या ऐसे ही किसी अन्य नाम से बुलाया जाता था। शायद पलिशतियों से पहले इसे यही कहा जाता था, और उन्होंने बस यही नाम अपना लिया।

खैर, यह अच्छा होगा, अगर ऐसा होता, तो इससे हमारी समस्या का समाधान हो जाता। लेकिन मामले की सच्चाई यह है कि, जबकि हमारे पास लगभग तीसरी सहस्राब्दी के पाठ में इस क्षेत्र का बार-बार उल्लेख है, इसे कभी भी पीएलएसटी नहीं कहा गया है। यह एक अविश्वसनीय संयोग होगा यदि सी पीपल्स मूवमेंट का नाम पेलेसेट जैसा ही हो, जो इज़राइल बनने से पहले भूमि का तथाकथित प्रस्तावित नाम था।

मुझे लगता है कि यह दृश्य वस्तुतः असंभव है। शायद एक बेहतर व्याख्या यह है कि उत्पत्ति के इन कई अध्यायों में पलिशती शब्द एक कालानुक्रमिकता या एक दिखावा है। यह हमेशा एक संभावित व्याख्या है, हालाँकि यह उत्पत्ति की सामान्य इतिहासलेखन के विपरीत है।

कालभ्रम के रूप में हमारा तात्पर्य यह है। आपको याद होगा कि बाइबिल पाठ, जबकि बाइबिल की प्रत्येक पुस्तक, या प्रत्येक बाइबिल अध्याय की उत्पत्ति किसी न किसी समय, कहीं न कहीं, किसी के द्वारा हुई थी। आपको याद दिलाया जा सकता है कि बाइबिल के सभी अध्यायों, बाइबिल के सभी पाठों की सहस्राब्दियों तक प्रतिलिपि बनाई गई, पुनः प्रतिलिपि बनाई गई और पुनः प्रतिलिपि बनाई गई।

हम जो जानते हैं, वह यह है कि जब शास्त्रियों ने पाठ की नकल की और उसे दोबारा दोहराया, तो हम जो जानते हैं वह यह है कि कभी-कभी उन्होंने चीजों को बदल दिया। कभी-कभी उन्होंने गलतियाँ कीं। हम 1 शमूएल 13 से जानते हैं कि जो कोई भी उस दिन पाठ की नकल कर रहा था, उसने एक संख्या छोड़ दी।

इसमें कोई संदेह नहीं कि मूल पाठ से एक संख्या हटा दी गई है। तो इस दृष्टिकोण का तर्क यह है कि कुछ मुंशी जो बाइबिल के पाठ की नकल कर रहे थे, उन्होंने फ़िलिस्तीन को वहां जोड़ा जहां फ़िलिस्तीन मूल रूप से नहीं था। तो हमारा मतलब यही है।

इसका क्या मतलब है, इस दृष्टिकोण का क्या मतलब होगा कि कुछ इस तरह, कि शायद मूल रूप से यह कनानी कहा गया है, मैं सिर्फ काल्पनिक हो रहा हूँ, हमें नहीं पता होगा कि यह क्या है, लेकिन फिर मुंशी ने फैसला किया कि वह इसे बदलना चाहता है, इसलिए मुंशी ने कनानी को बाहर निकाला और पलिशती भाषा में लिखा। खैर, ये संभव है। ईश्वर ने मूल लेखकों को प्रेरित किया।

उन्होंने नकलचियों को प्रेरित नहीं किया। इसलिए, यह संभव है कि नकल करने वाले ने पाठ बदल दिया हो। समस्या यह है कि हमारे पास यह साबित करने का कोई तरीका नहीं है कि ऐसा हुआ था।

कोई भी संस्करण इसका समर्थन नहीं करता। सभी संस्करण फिलिस्तीन कहते हैं। इसलिए, यदि ऐसा हुआ है, तो हमारे पास इसे साबित करने का कोई तरीका नहीं है।

मेरे तीसरे बिंदु में, कुछ लोगों ने यह तर्क देने की कोशिश की है कि वे 1200 ईसा पूर्व से काफी पहले के ईजियन प्रवास का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरे शब्दों में, यह दृष्टिकोण यह तर्क दे रहा है कि सी पीपल्स मूवमेंट से बहुत पहले, एजियन लोग थे जो एजियन क्षेत्र से चले गए थे और अब

फिलिस्तीन में रह रहे थे, शायद वे व्यापारी और व्यापारी थे। इसलिए, यह दृष्टिकोण तर्क देगा कि उत्पत्ति में पलिश्टी प्रारंभिक एजियन थे, उन पलिश्टियों के साथ भ्रमित नहीं होना चाहिए जो समुद्री लोगों के आंदोलन में शामिल थे।

इस दृष्टिकोण में भी गंभीर समस्याएँ हैं। हमने इस टेप का काम लगभग पूरा कर लिया है। सबसे पहले, पेलेसेट नामक जनजातियाँ एजियन में भी नहीं जानी जाती हैं।

वे इस समयावधि में मौजूद नहीं हैं। तो यह हमारी समस्या का हिस्सा है। दूसरा, उत्पत्ति में पलिश्टी व्यापार के लिए सही जगह पर नहीं हैं।

यदि हम मानचित्र को देखें, तो उत्पत्ति में पलिश्टी रेगिस्तान में हैं। वे बेशेबा में हैं, जो देश का सबसे दक्षिणी शहर है। यह रेगिस्तान के ठीक बीच में है।

तो यह एक बहुत ही अजीब जगह है अगर वे व्यापार करने के लिए वहाँ थे। तीसरा, और दिलचस्प बात यह है कि, गरार और बेशेबा में पलिश्टियों का राजा, राजा का नाम अबीमेलेक है, और अबीमेलेक एक हिब्रू नाम या एक सेमेटिक नाम है। इसका मतलब है राजा के पिता, या मेरे पिता राजा हैं।

उत्पत्ति में पलिश्टी शांतिपूर्ण हैं। पलिश्टी, बाद में एजियन, बहुत युद्धप्रिय हैं। इसलिए, यह दृष्टिकोण असंभावित है, खासकर इसलिए क्योंकि अभी हमारे पास उस क्षेत्र में एजियन्स के लिए सबसे पहला सबूत है जिसे हम इज़राइल कहते हैं, वह 1370 है।

हमारी समस्या का समाधान करने में बहुत देर हो चुकी है। इसलिए, अगर मैं आपसे वह कहूँ जो आप चाहते हैं कि मैं इस पर सुनूँ, तो मेरे निष्कर्ष में, यह होगा कि मुझे नहीं लगता कि हमारे पास उत्पत्ति में पलिश्टियों के लिए कोई प्रशंसनीय व्याख्या है, और हमें शायद बस इतना ही कहना चाहिए हमें पता नहीं। जब तक यह कालभ्रमित या लिपिबद्ध शब्दावली न हो, मुझे लगता है कि शायद यह कहना सबसे अच्छा होगा कि हम नहीं जानते कि उत्पत्ति में हमारे पास फ़िलिस्तीन क्यों हैं।

हो सकता है कि आगे चलकर, हमें इसके लिए बेहतर उत्तर मिल जाए, लेकिन अभी के लिए, इससे हमें रुकने की जगह मिलती है, और हम पलायन के बाद पलिश्टियों के साथ ब्रेक पर वापस आएंगे क्योंकि हम उनके बारे में कुछ कह सकते हैं दिलचस्प है। ठीक है। आपके ध्यान देने के लिए धन्यवाद!

हम आपको अगले टेप में देखेंगे।

यह पुराने नियम की पृष्ठभूमि पर अपने शिक्षण में डॉ. डॉन फाउलर हैं। यह सत्र 14 है, सी पीपल्स।